

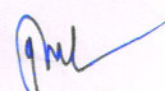
प्रार्थी

दिनांक 2-12-21  
आज पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी  
उपस्थित। पी.ओ. साहय बाहर पधारे हैं।  
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 6.1.22  
को पेश हो।

  
रीडर


6-01-22

आज पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी  
उपस्थित हुए। वकील प्रार्थी की एकपक्षीय  
बट्स सुनी गयी। वास्ते आदेश दिनांक  
10.01.22 को पेश हो।

  
उपखण्ड अधिकारी  
महवा (दौसा)

10.01.22

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। प्रार्थी  
के प्रा.पत्र अन्तर्गत धारा 212 ~~सक~~ रज. कार्रकारी  
अधिनियम पर दिनांक 06.01.22 को बट्स सुनी  
गयी। प्रार्थी का प्रा.पत्र दर्ज रजिस्टर कर अज्ञाधीनता  
को नोटिस जारी कर तलब किया गया। अज्ञाधीनता  
बावपूढ़ तलबी के उपस्थित नहीं आये। अतः दिनांक  
19.07.21 को अज्ञाधीनता के खिलाफ एकपक्षीय कार्यवाही  
के आदेश किये गये। प्रार्थी द्वारा नकारों के दावे के  
साथ प्रा.पत्र पेश कर विवेदन किया है कि प्रार्थी

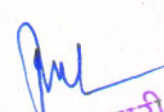
  
उपखण्ड अधिकारी  
महवा जिला-दौसा (राज.)

# न्यायालय उपजिला मजिस्ट्रेट एवं उपखण्ड अधिकारी, महवा

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज ..... बनाम मु. सं.	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
------------	---	---

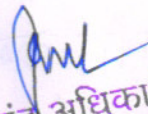
विवादित भूमि में सहजातेदार है जिसके साइड के रूप में पार्थीगण ने जमाबंदी सन्वत् 2074. खाना सं. 30 ग्राम मुंडकोडी पेडा ही है। पार्थीगण विवादित आरानी में  $\frac{3}{4}$  के खातेदार है। एवं अपने खातेदारी आरानी का प्रतिवादी से बंटवारा करवाना चाहते है। प्रतिवादी बंटवारे के लिए सहमत नहीं है।

पार्थीगण अधिवक्ता की एकपत्रीय बरत खुशी। अपनी बट्स में अपने जग पर के तथ्यों को शेयरते हुए विवादित आरानी का बंटवारा होने तक ~~बिना~~ ~~बिना~~ ~~बिना~~ निषेधाज्ञा जारी करने का निवेदन किया। पार्थीगण के जग पर व पार्थीगण अधिवक्ता द्वारा जमी बट्स के अवलोकन व मनन के पश्चात निष्कर्ष यह है कि पार्थीगण जग पर के पड सं. 2 में वर्णित विवादित आरानी खसरा नं. 273/0.14, 274/0.02, 275/0.02, 276/0.15, 277/0.02, 278/0.15, 279/0.18, 308/0.25, 310/0.28, 311/0.27, 312/0.14, 313/0.15, 314/0.24 कुल कित्ता 13 रकबा 2.11 है। ग्राम मुंडकोडी तहसील महवा, दौसा में सहजातेदार है। प्रतिवादी विवादित आरानी में  $\frac{1}{4}$  का खातेदार है। विवादित आरानी पर यदि प्रतिवादी द्वारा कोई निर्माण किया जाय है। अथवा

  
उपखण्ड अधिकारी  
(पु.सं.)

# न्यायालय उपजिला मजिस्ट्रेट एवं उपखण्ड अधिकारी, महवा

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज .....बनाम..... मु. सं.	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<p>मध्यमनगर पुकरण प्रथम इच्छा पार्थीगण के पक्ष में साबित होता है। सुविधा संतुलन भी पार्थीगण के पक्ष में है। सभी शाय ही विवादित शक्ति पर निर्माण की स्थिति में पार्थीगण को अग्रणीय शक्ति सम्भावित है।</p> <p>अतः पार्थीगण का पार्थीगण पत्र को स्वीकार करना उचित समझते हैं। एवं अग्रणीय दावे के निस्तार तक विवादित आराजी के रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे व विवादित शक्ति पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं करने बाबत पबंध किया जाता है। पंजाबली फैसल शुमार दोकर दायिम रहत हो।</p>	

  
 उपखंड अधिकारी  
 महवा जिला-दौसा (राज०)